नईदुनिया

खास-खबरें

कनाडा में डूबने से दो पंजाबी युवकों की मौत

नईदुनिया ब्यूरो, चंडीगढ़ : कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर स्थित लाशीन नहर में डूबने से पंजाब के दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में बरनाला जिले के तपा मंडी निवासी

26 वर्षीय लवप्रीत सिंह तथा अमृतसर जिले के बुटाला (नौरंगपुर) गांव का एक युवक शामिल है। बताया गया कि दोनों नहर के किनारे मौजूद थे, तभी अमृतसर निवासी युवक का पैर फिसल गया और वह पानी में गिर गया। उसे बचाने के लिए लवप्रीत सिंह भी नहर में कूद गया, लेकिन गहरे पानी और तेज बहाव के कारण दोनों डूब गए। सूचना मिलते ही स्थानीय अग्निशमन दल और पुलिस ने कई घंटे तक बचाव अभियान चलाया। दोनों युवकों को पानी से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। लवप्रीत सिंह लगभग ढाई वर्ष पहले कार्य अनुमति पर कनाडा गया था और वहां एक परिवहन कंपनी में चालक के रूप में कार्यरत था। उसके परिवार ने केंद्र सरकार, पंजाब सरकार तथा प्रवासी भारतीय समाज से पार्थिव शरीर को भारत लाने के लिए प्रशासनिक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की अपील की है।

केतन अग्रवाल हत्या प्रकरण में गुप्त विवाह का दावा

नईदुनिया ब्यूरो, पुणे : पुणे के केतन अग्रवाल हत्या प्रकरण की जांच के दौरान सिया गोयल और चेतन चौधरी को लेकर नया दावा सामने आया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सिया ने केतन अग्रवाल से सगाई के बाद अपने कथित प्रेमी चेतन चौधरी से लगभग चार महीने पहले गुप्त रूप से विवाह कर लिया था। बताया जा रहा है कि विवाह पुणे के पंजीयक कार्यालय में संपन्न हुआ था। पुलिस कथित विवाह प्रमाणपत्र और अन्य साक्ष्य जुटाने में लगी है।

जांच के दौरान सिया की दो महाविद्यालयीन सहेलियों से भी पूछताछ की जा रही है। दावा किया जा रहा है कि दोनों कथित विवाह की गवाह थीं। पुलिस सामाजिक माध्यम से हटाई गई तस्वीरों को भी पुनर्प्राप्त करने का प्रयास कर रही है, जिनमें दोनों के वरमाला पहने होने का दावा किया गया है। जांच एजेंसियां चेतन चौधरी के बैंक अभिलेखों की भी जांच कर रही हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया में किसी बिचौलिए को धनराशि दी गई थी या नहीं। उल्लेखनीय है कि 18 जून को लोहगढ़ किले पर केतन अग्रवाल की गहरी खाई में गिरने से मृत्यु हुई थी। इस मामले में सिया गोयल और चेतन चौधरी न्यायिक अभिरक्षा में हैं तथा पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

विदेशों में जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर विवाद गहराया

नईदुनिया ब्यूरो, पुरी : विदेशों में इस्कॉन द्वारा आयोजित की जा रही भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को लेकर विवाद गहरा गया है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गजपति महाराजा दिव्यसिंह देब ने इस मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। पत्र में उन्होंने आरोप लगाया है कि इस्कॉन कई देशों में स्नान यात्रा और रथ यात्रा का आयोजन ऐसी तिथियों पर कर रहा है, जो हिंदू धर्मग्रंथों और भगवान जगन्नाथ से जुड़ी पारंपरिक मान्यताओं के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने इन आयोजनों को समय से पहले बताया है।

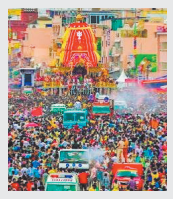

गजपति महाराजा ने कहा कि भारत और विदेशों में हिंदू समुदाय के विरोध के बावजूद इस्कॉन विभिन्न शहरों में वर्षभर इन धार्मिक आयोजनों का संचालन करता है, जिससे अनेक श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं प्रभावित हो रही हैं। यह मामला पिछले कुछ समय से चर्चा में है। मंदिर प्रशासन का कहना है कि भगवान जगन्नाथ से जुड़ी सदियों पुरानी परंपराओं और धार्मिक विधियों का पालन किया जाना आवश्यक है। पत्र के माध्यम से केंद्र सरकार से इस विषय पर उचित कदम उठाने का आग्रह किया गया है।

दमिश्क में धमाकों के बीच मैक्रों का संदेश 'दौरा नहीं रुकेगा'

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली : सीरिया की राजधानी दमिश्क में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के दौरे के दौरान मंगलवार को दो शक्तिशाली धमाके हुए। ये विस्फोट उस फोर सीजंस होटल से करीब 125 मीटर की दूरी पर हुए, जहां मैक्रों ठहरे हुए हैं। सीरियाई मीडिया के अनुसार, इस घटना में 18 लोग घायल हुए हैं, जिनमें चार पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। विस्फोट के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत पूरे क्षेत्र को घेरकर प्रमुख सड़कों को बंद कर दिया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में धमाके के बाद घटनास्थल से धुएं का गुबार और आग की लपटें उठती दिखाई दीं।

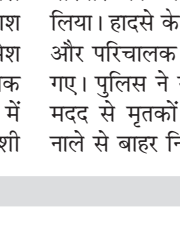

परमाणु पनडुब्बी से लंबी दूरी की प्रक्षेपास्त्र क्षमता का प्रदर्शन, भारत की समुद्री सुरक्षा पर भी बढ़ी नजर

चीन के मिसाइल परीक्षण से हिंद प्रशांत में बढ़ी रणनीतिक हलचल

बीजिंग/नई दिल्ली, एजेंसी: चीन ने परमाणु ऊर्जा संचालित पनडुब्बी से लंबी दूरी के बैलिस्टिक प्रक्षेपास्त्र का प्रशांत महासागर में परीक्षण कर अपनी सामरिक क्षमता का प्रदर्शन किया है। इस परीक्षण के बाद हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और सामरिक संतुलन को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने इस घटनाक्रम को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए चिंता का विषय बताया है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल प्रशांत महासागर तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य सक्रियता का संकेत है, जिसका प्रभाव भारत सहित अनेक देशों की सुरक्षा रणनीति पर पड़ सकता है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार परीक्षण में चीन की नई पीढ़ी की पनडुब्बी आधारित जेएल-3 बैलिस्टिक प्रक्षेपास्त्र प्रणाली के उपयोग की संभावना है। यह प्रक्षेपास्त्र परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम माना जाता है और इसकी मारक क्षमता इतनी अधिक है कि चीन के समुद्री क्षेत्र से हजारों किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्यों तक पहुंच बनाई जा सकती है। चीन ने इसे नियमित सैन्य अभ्यास का हिस्सा बताया है, जबकि क्षेत्रीय देशों का मानना है कि इससे सैन्य प्रतिस्पर्धा और अधिक तेज हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की लगातार बढ़ती समुद्री मौजूदगी है। पिछले कुछ वर्षों में चीनी नौसेना की पनडुब्बियां कई बार हिंद महासागर में देखी जा चुकी हैं। जिबूती स्थित सैन्य अड्डा, पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह तथा श्रीलंका के हम्बनटोटा बंदरगाह पर चीन की बढ़ती सक्रियता पहले से ही भारत के लिए रणनीतिक चुनौती मानी जाती रही है। यदि चीन अधिक आधुनिक, कम ध्वनि उत्पन्न करने वाली और लंबी दूरी के प्रक्षेपास्त्रों से लैस परमाणु पनडुब्बियों की तैनाती बढ़ाता है, तो हिंद महासागर में उसकी सामरिक पहुंच और प्रभाव दोनों में वृद्धि हो सकती है।

हिंद-प्रशांत में बढ़ेगी भारत की समुद्री ताकत

अंडमान एवं निकोबार कमान की सामरिक भूमिका भी और अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है, क्योंकि यह मलक्का जलडमरूमध्य की निगरानी में प्रमुख स्थान रखता है। इसके साथ ही पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता, मानव रहित विमान, समुद्री निगरानी संसाधनों तथा मित्र देशों के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यासों को और सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सामरिक परिदृश्य के बीच भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच समुद्री सहयोग और सुरक्षा समन्वय भी आगे और मजबूत हो सकता है।

चीन की परमाणु पनडुब्बी क्षमता के बीच भारत बढ़ाएगा समुद्री सुरक्षा तैयारी

भारत की परमाणु नीति विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता और पहले उपयोग न करने के सिद्धांत पर आधारित है। ऐसे में चीन की समुद्र आधारित परमाणु क्षमता के विस्तार को देखते हुए भारत को अपनी समुद्री सुरक्षा और प्रतिरोधक क्षमता को और मजबूत करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इसके अंतर्गत अधिक परमाणु पनडुब्बियों का विकास, लंबी दूरी के के-4 और के-5 प्रक्षेपास्त्र कार्यक्रम तथा समुद्री निगरानी तंत्र को सुदृढ़ करने पर बल दिया जा सकता है।

मेलोनी पर ट्रम्प का नया तंज, बयान से बढ़ी सियासी चर्चा

हालिया मतभेदों के बीच दोनों नेताओं की प्रस्तावित भेंट पर सबकी नजर

वॉशिंगटन, एजेंसी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी पर एक बार फिर सामाजिक माध्यम के जरिए टिप्पणी की है। उन्होंने एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि उन्हें मेलोनी के खिलाफ 'प्रतिबंधात्मक आदेश' लेना पड़ सकता है। इस टिप्पणी के बाद दोनों नेताओं के संबंधों को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। पिछले महीने सात देशों के समूह के शिखर सम्मेलन के बाद ट्रम्प ने दावा किया था कि मेलोनी उनके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए उत्सुक थीं। हालांकि, मेलोनी ने इस दावे का खंडन करते हुए कहा था कि ट्रम्प के अत्यधिक निकट दिखना किसी भी नेता की लोकप्रियता के लिए नुकसानदेह हो सकता है। दोनों नेताओं के बीच मतभेद उस समय और बढ़ गए, जब इटली ने ईरान के विरुद्ध अमेरिका और इजराइल के सैन्य अभियान का खुला समर्थन नहीं किया। मेलोनी ने पोप लियो चौदहवें को लेकर ट्रम्प की टिप्पणियों की भी आलोचना की थी। इस सप्ताह तुर्किये की राजधानी अंकारा में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन के शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात प्रस्तावित है। अब इस बैठक पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निगाहें टिकी हैं।

सूरत में जलभराव से भारी नुकसान...

सूरत में भारी बारिश और बाढ़ के कारण टेक्सटाइल (कपड़ा) मार्केट के व्यापारियों को भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा है। कई मल्टी-स्टोरी और कपड़ा मार्केट्स के बेसमेंट पूरी तरह से पानी में डूब गए थे, जिसके चलते हजारों दुकानों में भारी जलभराव हुआ और करोड़ों रुपयों की साड़ियां भीग कर खराब हो गईं। नुकसान की भरपाई के लिए व्यापारी खराब साड़ियों को अब रस्सियों पर सुखाकर किलो के भाव में बेचने को मजबूर हैं।

पोलैंड ने यूक्रेन को पेट्रिएट प्रक्षेपास्त्र भेजने की पुष्टि की

सुरक्षा पर नहीं पड़ा असर, लीक की होगी जांच-सरकार

वारसॉ, एजेंसी: पोलैंड ने स्वीकार किया है कि उसने मार्च में अपने सैन्य भंडार से पीएसी-3 पेट्रिएट अवरोधक प्रक्षेपास्त्र यूक्रेन को उपलब्ध कराए थे। इस जानकारी के सार्वजनिक होने के बाद सरकार ने गोपनीय सूचना लीक करने वालों की पहचान के लिए सैन्य खुफिया एजेंसी को जांच के आदेश दिए हैं। रक्षा मंत्री व्लादिस्लाव कोसिनियाक-कामिश ने बताया कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन के महासचिव मार्क रुटे के अनुरोध पर सीमित संख्या में प्रक्षेपास्त्र भेजे गए थे।

संसद और जनता को जानकारी दिए बिना यह निर्णय लिया

इससे पोलैंड की सुरक्षा या वायु रक्षा क्षमता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि संसद और जनता को जानकारी दिए बिना यह निर्णय लिया गया, जिससे देश की सुरक्षा क्षमता प्रभावित हो सकती है। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क से चर्चा के बाद वर्ष 2022 से 2026 के बीच यूक्रेन को दी गई सैन्य सहायता का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाएगा। इस बीच, पेट्रिएट प्रक्षेपास्त्रों की सीमित उपलब्धता और बढ़ती मांग को लेकर उत्तर अटलांटिक संधि संगठन के सदस्य देशों पर दबाव बना हुआ है।

चीन में भूस्खलन से 33 लोग मलबे में दबे

17 लोगों को सुरक्षित निकाला गया, 16 की तलाश जारी, कई क्षेत्रों में मौसम का कहर

बीजिंग, एजेंसी: चीन के पश्चिमी गांसू प्रांत के पहाड़ी क्षेत्र में मंगलवार को हुए भूस्खलन में 33 लोग मलबे में दब गए। सरकारी मीडिया के अनुसार, अब तक 17 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि 16 अन्य की तलाश जारी है।

राहत एवं बचाव दल लगातार अभियान चला रहे हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने प्रभावित लोगों को शीघ्र सुरक्षित निकालने और राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

उधर, मध्य चीन के हुबेई प्रांत में सोमवार रात आए तेज तूफान और मूसलाधार वर्षा से कम से कम आठ लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 275 लोग घायल हुए हैं। एक व्यक्ति अब भी लापता बताया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, कई क्षेत्रों में 149 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। अगले 24 घंटों में 260 मिलीमीटर तक वर्षा होने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे भूस्खलन और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने महासागर से ताइवान की ओर बढ़ रहे महातूफान 'बावी' को लेकर भी सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

बलूचिस्तान में पुलिस चौकी पर हमला, नौ पुलिसकर्मियों की मौत

जवाबी अभियान में 15 आतंकियों के मारे जाने का दावा, आठ पुलिसकर्मी सुरक्षित मुक्त

इस्लामाबाद, एजेंसी: पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के जियारत जिले में सोमवार देर रात आतंकियों ने एक पुलिस चौकी पर हमला कर दिया। इस हमले में दो थाना प्रभारियों सहित नौ पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, हमलावर आठ पुलिसकर्मियों का अपहरण कर ले गए थे, जिन्हें बाद में सुरक्षा बलों ने सुरक्षित मुक्त करा लिया। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि घटना के बाद खुफिया सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने व्यापक अभियान चलाया।

सुरक्षा चौकी पर आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली

हालांकि, अभी तक किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन अधिकारियों को संदेह है कि इसके पीछे प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी का हाथ हो सकता है। हाल ही में इसी संगठन ने बलूचिस्तान के जिवानी क्षेत्र में एक सुरक्षा चौकी पर आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली थी। बलूचिस्तान लंबे समय से अलगाववादी हिंसा और आतंकी गतिविधियों से प्रभावित रहा है।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने परिवार को कुचला, चार की मौत

फुटपाथ पर बस का इंतजार कर रहे थे लोग, मां गंभीर घायल

नईदुनिया ब्यूरो, जयपुर: जयपुर में मंगलवार सुबह तेज रफ्तार ट्रेलर ने फुटपाथ पर बैठे एक परिवार के पांच सदस्यों को कुचल दिया। हादसे में तीन बच्चों और उनके पिता की मौत हो गई, जबकि मां गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना श्याम नगर थाना क्षेत्र के 200 फीट बाईपास स्थित कमला नेहरू नगर में सुबह करीब 8:46 बजे हुई। मृतकों की पहचान राजसमंद जिले के जैतपुरा निवासी चंद्रप्रकाश (40) और उनके बेटों रमेश (11), रतन (10) तथा दीपक (8) के रूप में हुई है। हादसे में चंद्रप्रकाश की पत्नी कैलाशी (35) के दोनों पैर टूट गए। उनका उपचार अस्पताल के आपात विभाग में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, परिवार फुटपाथ पर रहकर झाड़ू बनाकर बेचता था। मंगलवार सुबह सभी लोग गांव जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रहा ट्रेलर रेलिंग तोड़ते हुए फुटपाथ पर चढ़ गया। और परिवार को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद ट्रेलर चालक और परिचालक मौके से फरार हो गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से मृतकों और घायलों को नाले से बाहर निकाला।

आस्था अमरनाथ गुफा में हिम शिवलिंग लगभग पूरी तरह पिघला

यात्रा के पांचवें दिन ही बदला स्वरूप, तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं के दर्शन बाकी

नईदुनिया ब्यूरो, जम्मू : अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से बनने वाला हिम शिवलिंग इस वर्ष यात्रा शुरू होने के कुछ ही दिनों बाद लगभग पूरी तरह पिघल गया है। 57 दिन चलने वाली अमरनाथ यात्रा की शुरुआत 3 जुलाई से हुई थी और अभी यात्रा के केवल पांच दिन ही पूरे हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, पहले चार दिनों में करीब 86 हजार श्रद्धालु पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं।

इस वर्ष अमरनाथ यात्रा के लिए लगभग चार लाख श्रद्धालुओं ने पंजीयन कराया है। ऐसे में अभी तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं का दर्शन करना बाकी है।

अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार तक दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या एक लाख से अधिक पहुंचने की संभावना है। जानकारी के अनुसार, 23 मई को सीमा सुरक्षा बल द्वारा जारी तस्वीर में हिम शिवलिंग की ऊंचाई लगभग सात फीट थी। 29 जून को पहली पूजा के दिन भी इसकी ऊंचाई पांच फीट से अधिक बताई गई थी, लेकिन 6 जुलाई को सामने आई तस्वीरों में हिम शिवलिंग लगभग 90 प्रतिशत तक समाप्त दिखाई दिया।

अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से बनता है हिम शिवलिंग, 28 अगस्त तक जारी रहेगी यात्रा

अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालु नुनवान-पहलगाम और बालटाल मार्ग से पहुंच रहे हैं। नुनवान-पहलगाम मार्ग लगभग 48 किलोमीटर लंबा है, जबकि बालटाल मार्ग करीब 14 किलोमीटर का है, लेकिन यह अधिक कठिन माना जाता है। यात्रा का समापन 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। अमरनाथ गुफा में बनने वाला हिम शिवलिंग किसी बर्फ के टुकड़े को तराशकर नहीं बनाया जाता, बल्कि यह पूरी तरह प्राकृतिक प्रक्रिया से बनता है। गुफा की छत से टपकने वाला पानी जमकर धीरे-धीरे बर्फ के स्तंभ का रूप लेता है। मौसम, तापमान और पानी की उपलब्धता के आधार पर हर वर्ष इसका आकार अलग-अलग होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि तापमान फिर से शून्य से नीचे पहुंचता है और ताजा बर्फबारी होती है तो हिम शिवलिंग दोबारा बनने की संभावना हो सकती है, हालांकि इसकी संभावना कम मानी जा रही है।